

॥ श्रीरुद्रनाम त्रिशती ॥

नमो हिरण्यबाहवे नमः।
 सेनान्यै नमः।
 दिशां च पतये नमः।
 नमो वृक्षेभ्यो नमः।
 हरिकेशेभ्यो नमः।
 पशूनां पतये नमः।
 नमः सस्पिञ्जराय नमः।
 त्विषीमते नमः।
 पृथीनां पतये नमः।
 नमो बभ्रुशाय नमः।
 विव्याधिने नमः।
 अन्नानां पतये नमः।
 नमो हरिकेशाय नमः।
 उपवीतिने नमः।
 पुष्टानां पतये नमः।
 नमो भवस्य हेत्यै नमः।
 जगतां पतये नमः।

१०

नमो रुद्राय नमः।
 आतताविने नमः।
 क्षेत्राणां पतये नमः।
 नमः सूताय नमः।
 अहन्त्याय नमः।
 वनानां पतये नमः।
 नमो रोहिताय नमः।
 स्थपतये नमः।
 वृक्षाणां पतये नमः।
 नमो मन्त्रिणे नमः।
 वाणिजाय नमः।
 कक्षाणां पतये नमः।
 नमो भुवन्तये नमः।
 वारिवस्कृताय नमः।
 ओषधीनां पतये नमः।
 नमो उच्चैर्घोषाय नमः।
 आक्रन्दयते नमः।

२०

३०

पत्नीनां पतये नमः।
 नमः कृत्स्नवीताय नमः।
 धावते नमः।
 सत्त्वंनां पतये नमः॥
 नमः सहमानाय नमः।
 निव्याधिने नमः।
 आव्याधिनीनां पतये नमः।
 नमः ककुभाय नमः।
 निषङ्गिणे नमः।
 स्तेनानां पतये नमः।
 नमो निषङ्गिणे नमः।
 इषुधिमते नमः।
 तस्कराणां पतये नमः।
 नमो वञ्चते नमः।
 परिवञ्चते नमः।
 स्तायूनां पतये नमः।
 नमो निचेरवे नमः।
 परिचराय नमः।
 अरण्यानां पतये नमः।

४०

५०

नमः सृकाविभ्यो नमः।
 जिघांसद्भ्यो नमः।
 मुष्णतां पतये नमः।
 नमोऽसिमद्भ्यो नमः।
 नक्तं चरद्भ्यो नमः।
 प्रकृन्तानां पतये नमः।
 नमो उष्णीषिने नमः।
 गिरिचराय नमः।
 कुलुश्चानां पतये नमः।
 नमो इषुमद्भ्यो नमः।
 धन्वाविभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमो आतन्वानेभ्यो नमः।
 प्रतिदधानेभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमो आयच्छद्भ्यो नमः।
 विसृजद्भ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमोऽस्यद्भ्यो नमः।

६०

७०

वि॒ध्यं॑द्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नम॒ आसी॑नेभ्यो॒ नमः॑।

शया॑नेभ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नमः॑ स्व॒पद्भ्यो॒ नमः॑।

जाग्र॑द्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नम॒ स्तिष्ठ॑द्यो॒ नमः॑।

धाव॑द्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नमः॑ स॒भाभ्यो॒ नमः॑।

स॒भाप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नमो॑ अश्वे॑भ्यो॒ नमः॑।

अश्वे॑पतिभ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑॥

नम॑ आ॒व्याधि॑नी॒भ्यो॒ नमः॑। १०

वि॒विध्य॑न्तीभ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नम॒ उ॒गणा॑भ्यो॒ नमः॑।

तृ॒हृती॑भ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नमो॑ गृ॒त्सेभ्यो॒ नमः॑।

गृ॒त्सप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

८०

नमो॑ ब्रा॒तेभ्यो॒ नमः॑।

ब्रा॒तेप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।

१००

वो॒ नमः॑।

नमो॑ गु॒णेभ्यो॒ नमः॑।

गु॒णप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नमो॑ वि॒रूपे॑भ्यो॒ नमः॑।

वि॒श्वरूपे॑भ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

नमो॑ म॒हद्भ्यो॒ नमः॑।

क्षु॒ल्लके॑भ्यश्च॒ नमः॑।

वो॒ नमः॑।

११०

नमो॑ र॒थिभ्यो॑ नमः॑।
 अ॒र॒थेभ्य॑श्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ र॒थेभ्यो॑ नमः॑।
 र॒थप॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ से॒नाभ्यो॑ नमः॑।
 से॒ना॒निभ्य॑श्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ क्ष॒त्तृभ्यो॑ नमः॑।
 स॒ङ्ग॒ही॒तृभ्य॑श्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नम॑स्तक्ष॒भ्यो॑ नमः॑।
 र॒थका॑रेभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ कु॒ला॒लेभ्यो॑ नमः॑।
 क॒र्मरि॑भ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ पु॒ञ्जिष्टे॑भ्यो॒ नमः॑।

१२०

नि॒षादे॑भ्यश्च॒ नमः॑। १३०
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ इ॒षुकृ॑द्भ्यो॒ नमः॑।
 ध॒न्व॒कृ॒द्भ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमो॑ मृ॒गयु॑भ्यो॒ नमः॑।
 श्व॒निभ्य॑श्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑।
 नमः॑ श्व॒भ्यो॑ नमः॑।
 श्व॒प॑तिभ्यश्च॒ नमः॑।
 वो॒ नमः॑॥ १४०
 नमो॑ भ॒वाय॑ च॒ नमः॑।
 रु॒द्राय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ श॒र्वाय॑ च॒ नमः॑।
 प॒शुप॑तये च॒ नमः॑।
 नमो॑ नी॒ल॒ग्री॒वाय॑ च॒ नमः॑।
 शि॒ति॒क॒ण्ठा॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ क॒पर्दि॑ने च॒ नमः॑।
 व्यु॒प्तके॑शाय च॒ नमः॑।

नमः सहस्राक्षाय च नमः।

शतधन्वने च नमः। १५०

नमो गिरिशाय च नमः।

शिपिविष्टाय च नमः।

नमो मीढुष्टमाय च नमः।

इषुमते च नमः।

नमो ह्रस्वाय च नमः।

वामनाय च नमः।

नमो बृहते च नमः।

वर्षीयसे च नमः।

नमो वृद्धाय च नमः।

संवृध्वने च नमः। १६०

नमो अग्रियाय च नमः।

प्रथमाय च नमः।

नम आशवे च नमः।

अजिराय च नमः।

नमः शीघ्रियाय च नमः।

शीभ्याय च नमः।

नम ऊर्म्याय च नमः।

अवस्वन्याय च नमः।

नमः स्त्रोतस्याय च नमः।

द्वीप्याय च नमः॥ १७०

नमो ज्येष्ठाय च नमः।

कनिष्ठाय च नमः।

नमः पूर्वजाय च नमः।

अपरजाय च नमः।

नमो मध्यमाय च नमः।

अपगल्भाय च नमः।

नमो जघन्याय च नमः।

बुध्नियाय च नमः।

नमः सोभ्याय च नमः।

प्रतिसुर्याय च नमः। १८०

नमो याम्याय च नमः।

क्षेम्याय च नमः।

नम उर्वर्याय च नमः।

खल्याय च नमः।

नमः श्लोक्याय च नमः।

अवसान्याय च नमः।

नमो व॒न्याय॑ च॒ नमः॑।
 क॒क्ष्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ श्र॒वाय॑ च॒ नमः॑।
 प्र॒तिश्र॑वाय॑ च॒ नमः॑।
 नम॑ आ॒शुषे॑णाय॑ च॒ नमः॑।
 आ॒शुर॑थाय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ शू॒राय॑ च॒ नमः॑।
 अ॒वभि॑न्दते च॒ नमः॑।
 नमो॑ व॒र्मिणे॑ च॒ नमः॑।
 व॒रूथि॑ने च॒ नमः॑।
 नमो॑ बि॒ल्मिने॑ च॒ नमः॑।
 क॒वचि॑ने च॒ नमः॑।
 नमः॑ श्रु॒ताय॑ च॒ नमः॑।
 श्रु॒तसे॒नाय॑ च॒ नमः॑॥
 नमो॑ दु॒न्दुभ्या॑य॑ च॒ नमः॑।
 आ॒ह॒न॒न्या॑य॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ धृ॒ष्णवे॑ च॒ नमः॑।
 प्र॒मृ॒शाय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ दू॒ताय॑ च॒ नमः॑।

१९०

२००

प्र॒हि॒ताय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ नि॒षङ्गि॑णे च॒ नमः॑।
 इ॒षुधि॑मते च॒ नमः॑।
 नम॑स्ती॒क्ष्णेष॑वे च॒ नमः॑।
 आ॒युधि॑ने च॒ नमः॑।
 नमः॑ स्वा॒युधा॑य॑ च॒ नमः॑।
 सु॒ध॒न्व॑ने च॒ नमः॑।
 नमः॑ स्रु॒त्याय॑ च॒ नमः॑।
 प॒थ्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ का॒ट्या॑य॑ च॒ नमः॑।
 नी॒प्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ सू॒द्याय॑ च॒ नमः॑।
 स॒र॒स्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ ना॒द्याय॑ च॒ नमः॑।
 वै॒श॒न्ताय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ कू॒प्याय॑ च॒ नमः॑।
 अ॒व॒ट्या॑य॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ व॒र्ष्या॑य॑ च॒ नमः॑।
 अ॒व॒र्ष्या॑य॑ च॒ नमः॑।

२१०

२२०

नमो॑ मे॒घ्याय॑ च॒ नमः॑।

वि॒द्युत्या॑य च॒ नमः॑।

नम॑ ई॒ध्रिया॑य च॒ नमः॑।

आ॒त॒प्याय॑ च॒ नमः॑।

नमो॑ वा॒त्याय॑ च॒ नमः॑।

रे॒ष्मिया॑य च॒ नमः॑।

२३०

नमो॑ वा॒स्त॒व्याय॑ च॒ नमः॑।

वा॒स्तु॒पाय॑ च॒ नमः॑॥

नमः॑ सो॒माय॑ च॒ नमः॑।

रु॒द्राय॑ च॒ नमः॑।

नम॑स्ता॒म्राय॑ च॒ नमः॑।

अ॒रु॒णाय॑ च॒ नमः॑।

नमः॑ श॒ङ्गाय॑ च॒ नमः॑।

प॒शु॒प॒तये॑ च॒ नमः॑।

नम॑ उ॒ग्राय॑ च॒ नमः॑।

भी॒माय॑ च॒ नमः॑।

२४०

नमो॑ अ॒ग्रे॒व॒धाय॑ च॒ नमः॑।

दू॒रे॒व॒धाय॑ च॒ नमः॑।

नमो॑ ह॒न्त्रे॑ च॒ नमः॑।

ह॒नी॒य॒से च॒ नमः॑।

नमो॑ वृ॒क्षे॒भ्यो॑ नमः॑।

ह॒रि॒केशे॑भ्यो॒ नमः॑।

नम॑स्ता॒राय॑ नमः॑।

नमः॑ श॒म्भ॒वे च॒ नमः॑।

म॒यो॒भ॒वे च॒ नमः॑।

नमः॑ श॒ङ्क॒राय॑ च॒ नमः॑।

२५०

म॒य॒स्क॒राय॑ च॒ नमः॑।

नमः॑ शि॒वाय॑ च॒ नमः॑।

शि॒व॒त॒राय॑ च॒ नमः॑।

नम॑स्ती॒र्थ्याय॑ च॒ नमः॑।

कू॒ल्याय॑ च॒ नमः॑।

नमः॑ पा॒र्याय॑ च॒ नमः॑।

अ॒वा॒र्याय॑ च॒ नमः॑।

नमः॑ प्र॒त॒र॒णाय॑ च॒ नमः॑।

उ॒त्त॒र॒णाय॑ च॒ नमः॑।

नम॑ आ॒ता॒र्याय॑ च॒ नमः॑।

२६०

आ॒ला॒द्याय॑ च॒ नमः॑।

नमः॑ श॒ष्य॒ाय च॒ नमः॑।

फे॒न्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ सि॒क॒त्या॒य च॒ नमः॑।
 प्र॒वा॒ह्या॒य च॒ नमः॑॥
 नम॑ इ॒रि॒ण्या॒य च॒ नमः॑।
 प्र॒प॒थ्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ कि॒॒शिला॒य च॒ नमः॑।
 क्षय॑णाय च॒ नमः॑।
 नमः॑ क॒प॒दि॒नै च॒ नमः॑। २७०
 पु॒ल॒स्त॒र्ये च॒ नमः॑।
 नमो॑ गो॒ष्ठ्या॒य च॒ नमः॑।
 गृ॒ह्या॒य च॒ नमः॑।
 नम॑स्त॒ल्प्या॒य च॒ नमः॑।
 गे॒ह्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ का॒ट्या॒य च॒ नमः॑।
 गृ॒ह्रे॒ष्ठा॒य च॒ नमः॑।
 नमो॑ हृ॒द॒य्या॒य च॒ नमः॑।
 नि॒वे॒ष्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ पा॒॒स॒व्या॒य च॒ नमः॑। २८०
 र॒ज॒स्या॒य च॒ नमः॑।

नमः॑ शु॒ष्का॒य च॒ नमः॑।
 ह॒रि॒त्या॒य च॒ नमः॑।
 नमो॑ लो॒प्या॒य च॒ नमः॑।
 उ॒ल॒प्या॒य च॒ नमः॑।
 नम॑ ऊ॒र्व्या॒य च॒ नमः॑।
 सू॒र्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ पु॒र्या॒य च॒ नमः॑।
 पु॒र्ण॒श॒द्या॒य च॒ नमः॑।
 नमो॑ऽप॒गु॒रमा॑णाय च॒ नमः॑। २९०
 अ॒भि॒घ्न॒ते च॒ नमः॑।
 नम॑ आ॒खि॒व॒द॒ते च॒ नमः॑।
 प्र॒खि॒व॒द॒ते च॒ नमः॑।
 नमो॑ वो॒ नमः॑।
 कि॒रि॒के॒भ्यो नमः॑।
 दे॒वा॒ना॒॒ हृ॒द॒ये॒भ्यो नमः॑।
 नमो॑ वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्यो नमः॑।
 नमो॑ वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्यो नमः॑।
 नम॑ आ॒नि॒र॒ह॒ते॒भ्यो नमः॑।
 नम॑ आ॒मी॒व॒त्के॒भ्यो नमः॑। ३००

॥ इति श्री श्रीरुद्रनाम त्रिशती सम्पूर्णा ॥

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

http://stotrasamhita.net/wiki/Rudra_Trishati_Namavali. This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>